

Chapter 15. प्रकाश

अध्याय-समीक्षा

- ★ कोई भी पॉलिश किया हुआ अथवा चमकदार पृष्ठ दर्पण कि भाँति कार्य करती है।
- ★ प्रकाश सरल रेखा के अनुदिश गमन करता है।
- ★ अवतल लेंस सदैव लेंस सदैव सीधा, आभासी तथा साइज़ में बिंब से छोटा प्रतिबिंब बनाता है।
- ★ श्वेत प्रकाश सात वर्णा का मिश्रण है।
- ★ उत्तल लेंस वास्तविक तथा उल्टा प्रतिबिंब बना सकता है। जब बिंब लेंस के अत्यंत निकट रेखा जाता है, तो बनने वाला प्रतिबिंब आभासी, सीधा तथा आवर्धित होता है। जब उत्तल लेंस को, वस्तुओं को आवर्धित करके देखने के लिए उपयोग किया जाता है, तो उसे आवर्धक लेंस कहते हैं।
- ★ उत्तल दर्पण द्वारा बना प्रतिबिंब सीधा, आभासी तथा साइज़ में बिंब से छोटा होता है।
- ★ दर्पण द्वारा बने प्रतिबिंब में, बिंब के वाम भाग प्रतिबिंब के दक्षिण भाग कि भाँति दिखाई देता है तथा बिंब का दक्षिण भाग प्रतिबिंब के वाम भाग कि भाँति दिखाई देता है।
- ★ समतल दर्पण द्वारा बना प्रतिबिंब सीधा होता है यह आभासी होता है, तथा बिंब के सामान साइज़ का होता है। प्रतिबिंब दर्पण के पीछे उतन ही दूरी पर बनता है, जितनी कि दर्पण के समाने बिंब कि दूरी होता है।
- ★ अवतल दर्पण वास्तविक तथा उल्टा प्रतिबिंब बना सकता है। जब बिंब को दर्पण के अत्यंत निकट रखते हैं, तो प्रतिबिंब आभासी, सीधा तथा आवर्धित होता है।
- ★ जिस प्रतिबिंब को पर्दे पर प्राप्त न किया जा सके, उसे आभासी प्रतिबिंब कहते हैं।
- ★ जो प्रतिबिंब पर्दे पर प्राप्त किया जा सके, वास्तविक प्रतिबिंब कहलाता है।
- ★ प्रकाश सरल रेखा के अनुदिश गमन करता है।